PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Haribhumi, Delhi
Fri, 02 Jun 2017, Page 1
Width: 16.83 cms, Height: 32.07 cms, a3, Ref: 28.2017-06-02.19

कुडनकुलम पर भारत और रूस में बनी बात

70 सालों से दोनों देशों में मजबूत संबंधः मोदी

एजेंसी ▶▶| सेंट पीटर्सबर्ग

भारत और रूस के बीच तमिलनाडु के कुडनकुलम में न्यूक्लियर पावर प्लांट की दो नई यूनिटों के लिए अग्रीमेंट गुरुवार को लंबे इंतजार के बाद फाइनल हो गया। रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बातचीत के बाद सेंट पीटर्सबर्ग में घोषणा-पत्र जारी किया गया। इसमें बताया गया कि दोनों देशों ने कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट की पांचवीं और छठी यूनिट के जनरल फ्रेमवर्क अग्रीमेंट फाइनल कर दिया है। पहली और दूसरी यूनिटों में उत्पादन शुरू हो चुका है, जबकि तीसरी और चौथी का काम चल रहा है। न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप में मेंबरशिप के लिए भारत की अर्जी का रूस ने स्वागत किया है और इसमें साथ देने का फैसला किया है। दोनों देशों ने आर्क टिक इलाके में हाइड्रोकार्बन की खोज के लिए मिलकर प्रोजेक्ट चलाने में दिलचस्पी दिखाई है। मोदी की रूस यात्रा से पहले पुतिन ने इसका जिक्र करते हुए कहा था कि आर्कटिक क्षेत्र में हाइड्रोकार्बन की मिलकर खोज करने और उत्पादन परियोजनाओं में भारतीय कंपनियों की भागीदारी की संभावनाओं पर फिलहाल विचार हो रहा है। इंटरनैशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने पर अपना कमिटमेंट दोहराया है। भारत को ईरान के रास्ते रूस और यूरोप से जोड़ने वाला प्रस्तावित ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट अटका हुआ है। इसे चीन की 'वन बेल्ट वन रोड' पहल के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। संयुक्त बयान जारी किए जाने के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 70 सालों से दोनों देशों के बीच मजबूत रक्षा संबंध है। भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग को अब नई दिशा दी जा रही है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच पांच अग्रीमेंट भी साइन किए गए हैं।